



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 553]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 29, 2017/आषाढ़ 8, 1939

No. 553]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 29, 2017/ASADHA 8, 1939

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जून, 2017

सा.का.नि. 721(अ).—चूंकि वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार नागर विमानन मंत्रालय की तारीख 20 फरवरी, 2017 की अधिसूचना सं. सा.का.नि 168(अ) के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया, जिसे ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए भारत के राजपत्र की प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गई;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में प्रकाशित राजपत्र की प्रतियां 25 फरवरी, 2017 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थी;

और चूंकि विनिर्दिष्ट अवधि के अंदर प्रारूप नियमों के संबंध में प्राप्त आक्षेप, या सुझावों पर विचार किया गया है;

अतः, अब केंद्रीय सरकार, उक्त वायुयान अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (छठा संशोधन) नियम, 2017 है।
(2) ये सरकारी राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- वायुयान नियम, 1937 में,—
(क) नियम 3 में,—

(i) खंड (1छ) के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

‘(1छ क) “उड़नयोग्यता” उस वायुयान, इंजन, प्रोपेलर या पुर्जे की प्रस्थिति से अभिप्रेत है जब उसका अनुमोदित डिजाइन महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप हो और वह सुरक्षित प्रचालन की दशा में हो;

(1छख) “उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाणपत्र” उस प्रमाणपत्र से अभिप्रेत है जो उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र की सतत विधिमान्यता की अभिपुष्टि करने के लिए इन नियमों के अधीन जारी किया गया है;

(ii) खंड (10क) को खंड (10ख) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाए और खंड (10ख) को इस प्रकार पुनः संख्यांकित करने के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए; अर्थात:-

(10 क) “अनुमोदित” किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए यथोचित रूप से महानिदेशक द्वारा स्वीकार किए गए से अभिप्रेत है;

(iii) खंड (10 क क) को खंड (10 ग) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए;

(iv) खंड (11ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाए; अर्थात:

(11 ख) “उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” महानिदेशक द्वारा जारी किए गए वायुयान के उस विनिर्दिष्ट दस्तावेज से अभिप्रेत है जिसमें इस बात को संज्ञापित किया गया हो कि उसकी लागू टाइप डिजाइन महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप है और वह सुरक्षित प्रचालन की दशा में है;’

(v) खंड (33 क) के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए; अर्थात:-

(33 क क) “लाइट स्पोर्ट वायुयान” उस स्थिर पंख वाले वायुयान से अभिप्रेत है जिसका अधिकतम प्रमाणित उठान भार 450 किलोग्राम से अधिक किन्तु 600 किलोग्राम (सी प्लेन की दशा में 650 किलोग्राम) से अनधिक है और उसकी स्तंभन गति 45 नॉट से अधिक नहीं है;

(vi) खंड (48 क) को खंड (48 क क) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाए और (खंड 48 कक) को इस प्रकार पुनःसंख्यांकित करने से पूर्व, निम्नलिखित खंड को अंतः स्थापित किया जाए; अर्थात:-

‘(48 क) “निर्बधित टाइप प्रमाणपत्र” उस प्रमाणपत्र से अभिप्रेत है जो महानिदेशक द्वारा जारी विधिमान्य या स्वीकार किया गया दस्तावेज है जिसमें इस बात को संज्ञापित किया गया हो कि टाइप वायुयान की डिजाइन या इंजन या प्रोपेलर महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट लागू टाइप डिजाइन मानक को पूरा नहीं करते है;’

(vii) खंड (51क) के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए; अर्थात:-

(51ख) “विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” महानिदेशक द्वारा किसी ऐसे वायुयान को जारी किए गए दस्तावेज से अभिप्रेत है जिसके पास पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट निर्बधित टाइप प्रमाणपत्र या उड़नयोग्यता विनिर्देशन अनुपालन प्रमाणपत्र है;

(51ग) “विशेष उड़ान अनुज्ञा” महानिदेशक द्वारा किसी ऐसे वायुयान को जारी किए गए दस्तावेज से अभिप्रेत है जो खंड (1छक) में यथा परिभाषित उड़नयोग्यता की दशा को पूरा नहीं करता है किन्तु सीमाओं जो उसमें विनिर्दिष्ट की जाए, के अधीन रहते हुए सुरक्षित प्रचालन की दशा में है;

(viii) खंड (57क) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(57क) “टाइप प्रमाणपत्र” महानिदेशक द्वारा जारी विधिमान्य या स्वीकार किए गए दस्तावेज से अभिप्रेत है जिसमें इस बात को संज्ञापित किया गया हो कि उस विमान की टाइप डिजाइन या इंजन या प्रोपेलर महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट लागू टाइप डिजाइन मानक के अनुरूप है;”

(ख) नियम 15 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“15 वायुयान द्वारा उड़ान में अनुपालन की जाने वाली शर्तें-कोई वायुयान तब तक उड़ान नहीं कर सकेगा जब तक कि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा नहीं करता अर्थात:-

- (i) वायुयान के पास महानिदेशक द्वारा जारी उड़नयोग्यता का विधिमान्य प्रमाणपत्र हो;
- (ii) वायुयान उड़नयोग्य के रूप में प्रमाणित हो और भाग-VI के उपबंधों के अनुसार अनुरक्षित हो या भारत में गैर-रजिस्ट्रीकृत वायुयान की दशा में उस राज्य जिसमें वायुयान रजिस्ट्रीकृत है, के विनियमों के अनुसार हो;
- (iii) उस उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र में निर्दिष्ट सभी निबंधन-शर्तों का विधिवत अनुपालन करना होगा;
- (iv) वायुयान को अपना उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र फलक पर रखना होगा और भाग-VI द्वारा विहित या उस राज्य जिसमें वायुयान रजिस्ट्रीकृत है, के विनियमों द्वारा कोई अन्य प्रमाणपत्र, फलक पर रखना अपेक्षित है।

परन्तु कोई वायुयान नियम 55 क के अधीन ऐसी शर्तें जो विशेष उड़ान अनुज्ञा में विनिर्दिष्ट की जाए, के अधीन रहते हुए, महानिदेशक द्वारा जारी विशेष उड़ान अनुज्ञा के अधीन उपर्युक्त शर्तों का अनुपालन न करते हुए उड़ान कर सकेगा;

टिप्पण:- इस नियम के प्रयोजन के लिए, नियम 1 के उप-नियम (3) के अन्तर्गत आने वाले विदेशी रजिस्ट्रीकृत वायुयान को भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान समझा जाएगा और नियम 1 के उप-नियम (4) के अन्तर्गत आने वाले भारतीय रजिस्ट्रीकृत वायुयान को भारत में गैररजिस्ट्रीकृत वायुयान समझा जाएगा।”;

(ग) नियम 19 में, उप-नियम (3क) का लोप किया जाए;

(घ) नियम 38, के उप-नियम (1) में--

(i) खंड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(क) छात्र पायलट अनुज्ञप्ति (विमान, हेलीकॉप्टर, ग्लाइडर, बैलून, माइक्रोलाइट विमान और लाइट स्पोर्ट वायुयान के लिए);”

(ii) खंड (ज) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(ज) पायलट अनुज्ञप्ति (ग्लाइडर, बैलून, माइक्रोलाइट वायुयान और लाइट स्पोर्ट वायुयान के लिए);

(ड) नियम 39 ग के, उप नियम (1) में, मद (iii) और (iv) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(iii) छात्र पायलट अनुज्ञप्ति चौबीस मास पाँच वर्ष;

(विमान या हेलीकॉप्टर या माइक्रोलाइट वायुयान या लाइट स्पोर्ट वायुयान या ग्लाइडर या बैलून) छात्र उड़ान या दिक्चालक अनुज्ञप्ति तथा छात्र उड़ान इंजीनियर अनुज्ञप्ति।

(iv) प्राइवेट पायलट अनुज्ञप्ति (विमान चौबीस मास दस वर्ष”;

या हेलीकॉप्टर), पायलट अनुज्ञप्ति (माइक्रोलाइट वायुयान या लाइट स्पोर्ट वायुयान या ग्लाइडर या बैलून,), उड़ान रेडियो टेलीफोन प्रचालक अनुज्ञप्ति (निर्बंधित) तथा उड़ान इंजीनियर अनुज्ञप्ति।

(च) नियम 49 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“49- भारत में परिकल्पित या विनिर्मित वायुयान या इंजन या प्रोपेलर के लिये टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र जारी किया जाना- (1) महानिदेशक साधारण या विशेष आदेश द्वारा, निदेश दे सकेगा कि भारत में परिकल्पित या विनिर्मित किसी वायुयान की बाबत एक टाइप-प्रमाणपत्र, उस वायुयान के संबंध में, उड़नयोग्यता का प्रमाणपत्र जारी करने या उसके निरन्तर विधिमान्यता के लिए प्रथम शर्त है।

(2) महानिदेशक, साधारण या विशेष आदेश द्वारा निदेश दे सकेगा कि भारत में परिकल्पित या विनिर्मित किसी इंजन या प्रोपेलर की बाबत एक टाइप प्रमाण पत्र होगा।

(3) महानिदेशक टाइप-प्रमाणपत्र तब जारी कर सकेगा, जब—

(क) आवेदक विमानन के प्रयोजनों के लिए उपस्कर की चीज की उपयुक्तता से संबंधित ऐसे दस्तावेज या अन्य साक्ष्य पेश करें जो विहित किए जाएं, जिसके अन्तर्गत वह उड़ान परीक्षण, यदि कोई हो, भी है जिसकी महानिदेशक अपेक्षा करे। आवेदक ऐसे निरीक्षणों और परीक्षणों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करेगा; और

(ख) विमानन के प्रयोजनों के लिए उसकी उपयुक्तता के संबंध में महानिदेशक का समाधान हो जाए।

(4) महानिदेशक इसके सुरक्षित प्रचालन पर आवश्यक सीमाएं अधिरोपित करते हुए किसी वैमानिक उत्पाद के लिए निर्बंधित टाइप प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा यदि इस बात का समाधान हो जाए कि वायुयान की डिजाइन या इंजन या प्रोपेलर महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट लागू डिजाइन मानक के पूर्णतः अनुरूप नहीं है किंतु यह सुरक्षित प्रचालन की दशा में है।”;

(छ) नियम 49 क, 49 ख, 49 ग, 49 घ, 49 ङ और 49 च के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात:-

“49क. भारत में आयातित वायुयान की बाबत टाइप प्रमाणपत्र जारी करना-(1) महानिदेशक, साधारण विशेष आदेश द्वारा, निदेश दे सकेगा भारत में आयातित किसी वायुयान या निवारित टाइप प्रमाणपत्र की बाबत टाइप प्रमाणपत्र होगा।

(2) महानिदेशक भारत में आयातित किसी वायुयान, के संबंध में एक टाइप- प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा।

“49ख. भारत में आयातित किसी वायुयान उपस्कर के लिये टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र का विधिमान्यकरण-

(1) महानिदेशक किसी वायुयान उपस्कर के संबंध में जो आयात किया जाए, टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र का विधिमान्यकरण तब कर सकेगा, जब,-

(क) उस देश के, जिसमें उसका विनिर्माण किया गया है, राज्य विमानन प्राधिकारी, यथास्थिति उस वायुयान उपस्कर के संबंध में टाइप प्रमाणपत्र का निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र या वैसा ही कोई दस्तावेज जारी किया है;

(ख) वह उन उड़नयोग्यता अपेक्षाओं जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए की पूर्ति करता है; और

(ग) आवेदक विमानन प्रयोजनों के लिए उत्पाद की उपयुक्तता से संबंधित ऐसे दस्तावेज और तकनीकी आंकड़े पेश करता है जो विनिर्दिष्ट किए गए हैं और जिनकी महानिदेशक अपेक्षा करता है।

(2) महानिदेशक, लिखित आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन जो उस आदेश में कथित हो, किसी वायुयान, उपस्कर को इस नियम के उपबंधों से छूट दे सकेगा।

49ग. टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र वैमानिक उपस्कर प्रवर्ग- जब किसी वैमानिक उपस्कर का टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र जारी किया जाए या विधिमान्य किया जाए तब उसे एक या अधिक प्रवर्गों में, जो विनिर्दिष्ट किए जाए, समूहित किया जा सकेगा।;

49घ. टाइप-प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र का रद्दकरण निलंबन या उस पर पृष्ठांकन- यदि किसी समय महानिदेशक का समाधान हो जाए कि यह दर्शित करने में युक्तियुक्त संदेह है कि वायुयान के उपस्कर की किसी चीज में दोष के कारण जोखिम है तो वह, यथास्थिति, वायुयान उपस्कर के लिए जारी किए गए या विधिमान्य किए गए टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र को रद्द, निलंबित या पृष्ठांकित कर सकेगा या टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र के प्रवृत्त रहने की शर्त के रूप में उसमें कोई उपांतरण करने की अपेक्षा कर सकेगा।;

49ड. संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए वैमानिक उत्पाद के टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित प्रमाणपत्र की मान्यता- महानिदेशक उस संविदाकारी राज्य द्वारा जारी किए गए किसी वैमानिक उत्पाद की बाबत टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र स्वीकार कर सकेगा जिनकी उड़नयोग्यता अपेक्षाएं इन नियमों के अनुसार हो, यदि-

- (क) उस देश का उड़नयोग्यता प्राधिकारी जिसमें वह वैमानिक उत्पाद विनिर्मित है, की बाबत टाइप-प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र जारी किया है;
- (ख) वह महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट उड़नयोग्यता अपेक्षाओं की पूर्ति करता है; और
- (ग) आवेदक वैमानिक उत्पाद की उपयुक्त या सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए यथा अपेक्षित दस्तावेज और तकनीकी आंकड़े प्रस्तुत करता है।”;

49च. वैमानिक उत्पाद की बाबत पूरक टाइप प्रमाणपत्र जारी करना- महानिदेशक किसी भी वैमानिक उत्पाद जिसके लिये नियम 49 क, 49 ख और 49 ड में अनुबंधित प्रकार से टाइप प्रमाणपत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाणपत्र जारी किया गया हो या विधिमान्य किया गया हो या स्वीकृत किया गया हो, के संबंध में पूरक प्रकार प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा जिसका निम्नलिखित कारणों से संरचनात्मक उपांतरण या उपस्कर की नई चीज का संस्थापन हो चुका है, अर्थात:-

- (क) उस वैमानिक उत्पाद की सर्विस में ऐसी कमियां विकसित हुई है जो उत्पाद की सुरक्षा या निष्पादन को प्रभावित कर सकती है;
- (ख) उस वैमानिक उत्पाद के आकृति को परिवर्तित करने के लिए प्रचालक की वास्तविक आवश्यकता है; और
- (ग) सुरक्षा बढ़ाने या उपभोक्ता और अधिक सुविधा प्रदान करने के प्रयोजनार्थ उपस्कर की नई चीजों को परिवर्तित करने या संस्थापित करने की आवश्यकता है;

(ज) नियम 49छ में, “भारत में रजिस्ट्रीकृत” शब्दों का लोप किया जाए;

(झ) नियम 49ज के पश्चात, निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“49झ. वायुयान के डिजाइन की स्वीकृति- नियम 49 क से 49 छ में निहित किसी बात के होते हुए महानिदेशक किसी वायुयान के डिजाइन को, इन नियमों में अधिकथित न्यूनतम मानकों के अनुसार मूल्यांकन के पश्चात तथा सुरक्षित प्रचालन में होने की दशा का समाधान होने पर स्वीकृत कर सकेगा।”;

(ञ) नियम 50 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“50 उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र तथा उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाणपत्र जारी करना-(1) किसी वायुयान का स्वामी या प्रचालक वायुयान की बाबत उड़नयोग्यता प्रमाण या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र जारी किए जाने या अन्यत्र जारी किए गए उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र के विधिमान्यकरण के लिए महानिदेशक को आवेदन कर सकेगा।

(2) महानिदेशक किसी वायुयान की बाबत उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र तब जारी कर सकेगा जब-

(क) आवेदक वायुयान की उड़नयोग्यता से संबंधित ऐसे दस्तावेज या अन्य साक्ष्य जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए पेश कर सकेगा; और

(ख) महानिदेशक का समाधान हो जाए कि वह उड़नयोग्य है या सुरक्षित प्रचालन की दशा में है:

परन्तु यह तब जब महानिदेशक वायुयान के सुरक्षित प्रचालन के लिये आवश्यक शर्तों को विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र पर अधिरोपित कर सकेगा।

(3) महानिदेशक किसी ऐसे वायुयान की बाबत जो आयात किया जाए, उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र को विधिमान्य कर सकेगा, यदि-

(क) उस देश के, जिसमें वायुयान विनिर्मित है, उड़नयोग्यता प्राधिकारी द्वारा उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र या कोई समतुल्य दस्तावेज जारी किया गया है:

(ख) उड़नयोग्यता की अपेक्षाओं का जैसी महानिदेशक द्वारा अधिकथित की जाएं, अनुपालन किया गया हो; और

(ग) आवेदक वायुयान संबंधी ऐसे आवश्यक दस्तावेज और तकनीकी आंकड़े पेश करे जो विनिर्दिष्ट किए जाएं और महानिदेशक द्वारा अपेक्षित हो।

(4) महानिदेशक वायुयान के किसी एक या अधिक प्रवर्गों में, जैसे विनिर्दिष्ट किए जाएं, उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र जारी करेगा। वायुयान का प्रचालन उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण में अधिकथित शर्तों के अधीन रहते हुए, प्राधिकृत प्रवर्गों तक निर्बंधित होगा।

(5) इस नियम के अधीन जारी उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक महानिदेशक प्रयोज्य उड़नयोग्यता मानकों के अनुसार पुनरीक्षा नहीं कर लेता है और ऐसा उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाणपत्र जारी नहीं कर देता, जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी अवधि के लिये प्रदान किया जा सकेगा, जिसका विस्तार महानिदेशक द्वारा या इन नियमों के अधीन अनुमोदित किसी संगठन द्वारा, महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी प्रक्रियाओं के अनुसार है।

(6) विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र ऐसी अवधि के लिये प्रवृत्त रहेगा, जो प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाए और महानिदेशक उसे समय-समय पर नवीकृत कर सकेगा।

(7) वायुयान का निरीक्षण तथा परीक्षण महानिदेशक द्वारा या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति, जैसा विनिर्दिष्ट किया जाए, द्वारा किया जाएगा।

(8) वायुयान का स्वामी या प्रचालक उप-नियम (7) के अधीन अपेक्षित निरीक्षण तथा परीक्षण किये जाने के प्रयोजनार्थ सभी आवश्यक प्रसुविधाएँ प्रदान करेगा तथा महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट सभी खर्चों का वहन करेगा।

(ट) नियम 50 क में, “उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” जहाँ कहीं भी हो शब्दों के स्थान पर, “उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ठ) नियम 55 में,-

- (i) शीर्ष में तथा उप-नियम (1),(2) और (3), में “उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” जहाँ कहीं भी हो शब्दों के स्थान पर, “उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;
- (ii) उप-नियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात:-
“(4) जहाँ वायुयान का उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र निलंबित किया जाता है या निलंबित समझा जाता है वहाँ महानिदेशक वायुयान के स्वामी या प्रचालक के आवेदन पर नियम 55 क के अधीन विशेष उड़ान अनुज्ञा जारी कर सकेगा.”;
- (iii) उप-नियम (5) का लोप किया जाए;

(ड) नियम 55 के पश्चात, निम्नलिखित नियम को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“55क विशेष उड़ान अनुज्ञा जारी करना-(1) महानिदेशक किसी वायुयान द्वारा उड़नयोग्यता अपेक्षाएँ पूरा न करते हुए भी सुरक्षित प्रचालन की दशा में होने पर विशेष उड़ान अनुज्ञा में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन विशेष उड़ान अनुज्ञा जारी कर सकेगा।

(2) किसी वायुयान का स्वामी या प्रचालक वायुयान की बाबत विशेष उड़ान अनुज्ञा के लिए किन्हीं प्रयोजनों के लिये जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए, महानिदेशक को आवेदन कर सकेगा, अर्थात:-

(3) महानिदेशक किसी वायुयान के संबंध में तब विशेष उड़ान अनुज्ञा जारी कर सकेगा,-

(क) जब आवेदक ऐसे दस्तावेज जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करेगा; और

(ख) जब महानिदेशक का यह समाधान हो जाए कि वायुयान सुरक्षित प्रचालन की दशा में है।”;

(ढ) नियम 57 के, उप-नियम (1) में, “विनिर्दिष्ट किया जाए” शब्दों के स्थान पर “महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ण) नियम 62 में,--

(1) उप-नियम (1) की सारणी में, मद क के स्थान पर, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(क) नियम 49 और 49 क के अधीन टाइप प्रमाण पत्र या निर्बंधित टाइप प्रमाण पत्र जारी किया जाना:

(i)	अधिकतम डिजाइन उठान भार वाले वायुयान के लिए-	
	(क) 1,000 किलोग्राम या कम	
	(ख) 1,000 किलोग्राम से अधिक, प्रत्येक 1,000	

	(ग) किलोग्राम या उसके भाग के लिए	40,000 रुपये 20,000 रुपये
(ii)	इंजनों के लिए (क) प्रत्यागामी (ख) टरबाइन	4,00,000 रुपये 20,00,000 रुपये
(iii)	अधिकतम डिजाइन उठान भार वाले हेलीकॉप्टरों के लिए (क) 1,000 किलोग्राम या कम (ख) 1,000 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक 1,000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए	48,000 रुपये 24,000 रुपये
(iv)	प्रत्येक प्रोपेलर के लिए जब पृथक-पृथक प्रक्रिया की जाए	4,00,000 रुपये”;

2. मद (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित मदों को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(गक) नियम 49 ज के अधीन वायुयान संघटक, उपस्कर, उपकरण और अन्य ऐसे ही पुर्जों के लिए टाइप अनुमोदन:

(i)	प्रत्येक वायुयान संघटक, उपस्कर उपकरण और अन्य ऐसे ही पुर्जों के लिए जब पृथक-पृथक प्रक्रिया की जाए	40,000 रुपये
-----	--	--------------

(गख) नियम 49-झ के अधीन डिजाइन की स्वीकृति:

डिजाइन की स्वीकृति के लिए फीस मद (क) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिशत होगा।”;

(3) मद (घ) के स्थान पर, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(घ) नियम 50 के अधीन उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र, विशेष उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र जारी करना या विधिमान्यकरण करना और उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करना या विस्तार करना:

(i)	अधिकतम उठान भार वाले वायुयान के लिए उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र/ विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र जारी करना या विधिमान्यकरण करना-	
	(क) 1,000 किलोग्राम या कम	20,000 रुपये
	(ख) 1,000 किलोग्राम से अधिक, प्रत्येक 1,000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए	1,000 रुपये

(ii)	उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र/ विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र का विधिमान्यकरण	उप-मद (i) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिशत
(iii)	उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करना या विस्तार करना या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र का नवीकरण	उप-मद (i) के अधीन देय फीस का पचास प्रतिशत
(iv)	डुप्लीकेट उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र या उड़नयोग्यता पुनरीक्षण प्रमाण पत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र जारी करना	उप मद (i) के अधीन यथादेय फीस का दस प्रतिशत
(v)	उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र या विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र की श्रेणी/उप-श्रेणी में संपरिवर्तन	उप मद (i) के अधीन यथादेय फीस का पच्चीस प्रतिशत
(vi)	विशेष उड़ान अनुज्ञा जारी करना	उप मद (i) के अधीन यथादेय फीस का दस प्रतिशत।”;

(त) अनुसूची II में,-

(1) खंड क में,-

(क) पैरा 1, उप-पैरा (क) में, खंड (i) और (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खंडों को क्रमशः प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(i) छात्र पायलट अनुज्ञप्ति

(विमान/हेलीकाप्टर/ग्लाइडर/बैलून/माइक्रोलाइट वायुयान और लाइट स्पोर्ट वायुयान).;.

(iv) पायलट अनुज्ञप्ति(ग्लाइडर/बैलून/माइक्रोलाइट वायुयान और लाइट स्पोर्ट वायुयान)।”;

(ख) पैरा 2 में,-

(i) उप-पैरा (ख) के पश्चात, निम्नलिखित परंतुक को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“परन्तु वायुयान पर उड़ान अनुभव जिसमें महानिदेशक द्वारा जारी विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र विधिमान्य है, की गणना तब की जा सकेगी जब इस अनुसूची के सुसंगत खंड तथा उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए ऐसा उपबंधित हो।”;

(ii) खंड (ड) के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए; अर्थात:-

“(च) प्राइवेट पायलट अनुज्ञप्ति (विमान) धारक जिसमें खंड ड के उपबंधों के अनुसार माइक्रोलाइट वायुयान/ग्लाइडर/लाइट स्पोर्ट वायुयान पर की गई उड़ान के लिए कोई क्रेडिट ली है, वह अगली उच्चतर पायलट अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए इसकी पूर्ण क्रेडिट लेने का हकदार होगा।”;

(iii) पैरा 8 में,-

(क) खंड (च) में “उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र” शब्दों के पश्चात्, या “विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र” शब्दों को अंतःस्थापित किया जाए; और

(ख) खंड (च) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“परन्तु टाइप वायुयान जिसमें विशेष उड़नयोग्यता प्रमाण पत्र है, में उस वायुयान संबंधी पायलट अनुज्ञप्ति की वायुयान रेटिंग दर्ज की गई हो।”;

(iv) पैरा 8 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“8 क प्रशिक्षण के लिए नामांकन किया जाना।- पूर्वगामी पायलट प्रशिक्षण के लिए किसी व्यक्ति का नामांकन किए जाने के लिए प्रशिक्षण संगठन द्वारा संबंधित सरकारी एजेंसी से प्रशिक्षणार्थी के चरित्र तथा उसके पूर्ववृत्त के सत्यापन की रिपोर्ट प्राप्त की जाएगी ऐसी सत्यापन रिपोर्ट अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करते समय महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी।”;

(2) खंड ख में,-

(क) शीर्ष और पैरा 1 में, “विमान/हेलीकाप्टर/ग्लाइडर” शब्दों के स्थान पर “विमान/हेलीकाप्टर/ग्लाइडर/लाइट स्पोर्ट वायुयान” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ख) पैरा 5 में, “विमान, हेलीकाप्टर या ग्लाइडर” शब्दों के स्थान पर “विमान, हेलीकाप्टर, ग्लाइडर या लाइट स्पोर्ट वायुयान” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(3) खंड ड, पैरा 1, खंड (ड) में,-

(क) उप-खंड (i),(iii),(iv) और (v) के स्थान पर, क्रमशः निम्नलिखित उप-खंडों को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“(i) दस घंटे से अन्यून का एकल उड़ान काल;

(iii) अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए आवेदन की ठीक पूर्ववर्ती तारीख से बारह मास की अवधि के भीतर पांच घंटे से अन्यून का एकल उड़ान काल पूरा किया हो;

(iv) आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती चौबीस मास की अवधि के दौरान माइक्रोलाइट वायुयान या किसी ग्लाइडर पर अर्जित कुल उड़ान अनुभव के पच्चास प्रतिशत की गणना इस शर्त के अधीन अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए अर्जित कुल अनुभव में अधिकतम दस घंटे की जा सकेगी;

(v) आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती चौबीस मास की अवधि के भीतर लाइट स्पोर्ट वायुयान पर पूरे किए गए एकल उड़ान काल की गणना इस शर्त के अधीन अनुज्ञप्ति करने की तारीख को कुल अर्जित अनुभव में अधिकतम बीस घंटे की जा सकेगी।”;

(ख) खंड (ड.) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात्:-

“परन्तु किसी आवेदक को एक साथ उप-खंड (iv) और (v) के अधीन बीस घंटे से अधिक की क्रेडिट नहीं दी जा सकेगी।”;

(4) खंड-झ के पश्चात, निम्नलिखित खंड को अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“खंड-।क

पायलट अनुज्ञप्ति (लाइट सपोर्ट वायुयान)

1. अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए अपेक्षाएं- पायलट अनुज्ञप्ति के लिए आवेदक को निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करनी होगी:-

(क) आयु — आवेदन की तारीख को उसकी आयु सत्रह वर्ष से कम नहीं होगी;

(ख) शैक्षिक अर्हता — उसने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा या उसके समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की होगी;

(ग) चिकित्सीय योग्यता — वह अनुमोदित चिकित्सा व्यवसायी से परीक्षा कराने के पश्चात विहित प्रारूप में शारीरिक योग्यता का एक प्रमाणपत्र पेश करेगा। परीक्षा के दौरान उसे महानिदेशक द्वारा नियम 39 ख के अधीन अधिसूचित अपेक्षाओं के अनुपालन के आधार पर अपनी चिकित्सीय योग्यता सिद्ध करनी होगी;

(घ) ज्ञान — उसे महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार विमान विनियम, विमान दिक्चालन, विमानन मौसम विज्ञान, वायुयान और इंजन में लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी;

परन्तु ऐसे आवेदक को, जिसके पास विधिमान्य प्राइवेट पायलट अनुज्ञप्ति (विमान/हेलीकाप्टर) या उच्चतर दर्जे कि पायलट अनुज्ञप्ति है, उड़ान अनुदेशक या परीक्षक द्वारा पायलट की लॉग पुस्तिका में अभिलिखित इस आशय के प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के पश्चात खण्ड (घ) के अंतर्गत उक्त सभी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की जा सकेगी कि पायलट को उड़ान नियंत्रण, गति प्रोफाइल तंत्र, इंजन और लाइट सपोर्ट वायुयान की सीमाओं से पूर्णतः परिचित करा दिया गया है।

परन्तु ऐसे आवेदक को जिसके पास विधिमान्य पायलट अनुज्ञप्ति (ग्लाइडर) है, खंड (घ) में विनिर्दिष्ट विमान विनियम और विमानन मौसम विज्ञान में परीक्षा से छूट होगी।

(ड) अनुभव — वह लाइट स्पोर्ट वायुयान के पायलट के रूप में निम्नलिखित संतोषप्रद रूप से पूरे चालीस घंटे से अन्यून उड़ान पूरे करने का साक्ष्य पेश करेगा-

(i) बीस घंटे से अन्यून उड़ान का प्रशिक्षण सहित;

(क) दो घंटे का युगल देश के आर-पार का उड़ान प्रशिक्षण;

(ख) कम से कम दो विभिन्न क्षेत्रों पर एक पूर्ण विमान अवतरण जिसमें पचास नॉटिकल मील से अन्यून कुल दूरी की एकल आर-पार की उड़ान और उसमें कम से कम पच्चीस नॉटिकल मील से अन्यून की सीधी पंक्ति में भी दूरी की उड़ान का एक भाग;

(ii) उसे उड़ान करना और अवतरण जिसमें दस घंटे से अन्यून का एकल उड़ानकाल होंगे जिसमें अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख के ठीक पूर्ववर्ती छः माह की अवधि के भीतर पूरे किये गए हों।

परन्तु चालू प्राइवेट पायलट अनुज्ञप्ति (विमान) या उच्चतर दर्जे की अनुज्ञप्ति (विमान) के धारक को अनुभव संबंधी अपेक्षाओं से छूट प्रदान की जा सकेगी। तथापि, ऐसे पायलटों के लिए अपेक्षित होगा कि वे आवेदन की तारीख के ठीक पूर्ववर्ती छह मास के भीतर तीन अन्यून एकल उड़ान करने और अवतरण के पश्चात, कम से कम एक घंटे की उड़ान से परिचित हो। ऐसी उड़ान किसी अनुमोदित परीक्षक या महानिदेशक द्वारा अनुमोदित उड़ान अनुदेशक के पर्यवेक्षण में की गई हो और इसका पृष्ठांकन अनुज्ञप्ति धारक की लॉग पुस्तिका में अनुमोदित परीक्षक/अनुदेशक द्वारा किया गया हो।

(च) उड़ान प्रशिक्षण – उसने महानिदेशक द्वारा विहित पाठ्यक्रम के अनुसार उड़ान प्रशिक्षण पूरा कर लिया हो।

(छ) कौशल – उसने आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर उस प्रकार के लाइट स्पोर्ट वायुयान पर जिससे अनुज्ञप्ति के लिए किये गए आवेदन का सम्बन्ध है, पाठ्यक्रम में विहित प्रक्रियाएं और अभ्यास करने की अपनी सक्षमता परीक्षक के समाधानप्रद रूप में प्रकट करनी होगी।

2. विधिमान्यता – अनुज्ञप्ति नियम 39ग में यथाविनिर्दिष्ट अवधि के लिए विधिमान्य होगी।

3. नवीकरण – आवेदक से इस आशय के संतोषजनक साक्ष्य की प्राप्ति पर अनुज्ञप्ति का नवीकरण किया जा सकेगा कि-

(क) वह पैरा 1 (ग) के अनुसार चिकित्सीय परीक्षा करा चुका है; और

(ख) उसने नवीकरण के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती बारह मास की अवधि के भीतर लाइट स्पोर्ट वायुयान के समादेशक विमान चालक के रूप में पांच घंटे से अन्यून का उड़ान काल संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है या आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती छह मास की अवधि के भीतर पैरा 1 (घ) में यथा अधिकथित उड़ान परीक्षण को संतोषजनक रूप में पूरा कर लिया है।

4. वायुयान रेटिंग – अनुज्ञप्ति में लाइट स्पोर्ट वायुयान के वे वर्ग और प्रकार दर्शित होंगे जिनमें उड़ान के लिए धारक हकदार हैं। सभी प्रकार के लाइट स्पोर्ट वायुयान की खुली रेटिंग तभी मंजूर की जा सकेगी जब उसने किसी विमान या किसी लाइट स्पोर्ट वायुयान के समादेशक विमान चालक के रूप में एक सौ घंटे से अन्यून का उड़ान काल संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया हो।

परन्तु खुली रेटिंग के विशेषाधिकार का प्रयोग किसी ऐसे अर्हित लाइट स्पोर्ट पायलट के साथ जिसके पास एक सौ पचास घंटे से अन्यून का समादेशक विमान चालक का अनुभव है, वायुयान के उड़ान नियंत्रण, गति प्रोफाइल, तंत्र, इंजन और सीमाओं से परिचित कराने और उस आशय का एक प्रमाणपत्र उस वायुयान के अर्हित लाइट स्पोर्ट पायलट के द्वारा पायलट की लॉग पुस्तिका में दर्ज करने के पश्चात् ही किया जा सकेगा।

5. विशेषाधिकार – (क) नियम 39 ख, 39 ग और 42 के उपबंधों का पालन करते हुए, पायलट अनुज्ञप्ति (लाइट स्पोर्ट वायुयान) के धारक के विशेषाधिकार ऐसे लाइट स्पोर्ट वायुयान के समादेशक पायलट के रूप में जो उसकी अनुज्ञप्ति की वायुयान रेटिंग में दर्ज हो, दृश्य उड़ान नियमों के अधीन कार्य करना होगा।

(ग) लाइट स्पोर्ट वायुयान पायलट :

(i) यात्री या प्रतिकर या किराये के लिए संपत्ति का वहन नहीं करेगा;

(ii) रात्रिकाल में उड़ान नहीं करेगा;

(iii) श्रेणी घ और ड. एयरस्पेस (नियंत्रित एयरस्पेस) में तब तक वायुयान उड़ान नहीं कर सकेगा जब तक कि उसके पास विधिमान्य पायलट रेडियो टेलीफोनी ऑपरेटर अनुज्ञप्ति (एफ आर टी ओ एल) नहीं है और उसे किसी अनुमोदित अनुदेशक द्वारा प्रशिक्षित नहीं कर दिया गया है और किसी प्रचालन टावर वाले किसी विमान क्षेत्र पर प्रचालन के लिए उसकी लॉग पुस्तिका में इसका पृष्ठांकन न कर दिया गया हो;

(iv) समुद्रतल से 10,000 फीट से अधिक या भूतल से 2000 फीट से अधिक की ऊँचाई जो भी अधिक हो, उड़ान नहीं कर सकेगा;

(v) उस समय उड़ान नहीं कर सकेगा जब 5000 मीटर से कम भूदृश्यता हो;

(vi) भूतल से दृश्य संकेत के बिना उड़ान नहीं कर सकेगा;

- (vii) उड़ान किये जा रहे वायुयान के विशेष उड़ान योग्यता प्रमाणपत्र पर किसी प्रचालन सीमा के प्रतिकूल होने पर उड़ान नहीं कर सकेगा।
- (viii) पायलट अनुज्ञप्ति या चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर कोई सीमा या कोई अन्य सीमा के प्रतिकूल होने पर उड़ान नहीं कर सकेगा।

(ग) उस पायलट अनुज्ञप्ति (लाइट स्पोर्ट वायुयान) धारक को जिसके पास लाइट स्पोर्ट वायुयान पर समादेशक पायलट के रूप में 100 घंटे का कुल उड़ान काल का अनुभव है, वह किसी लाइट स्पोर्ट वायुयान पर अनुदेशक के रूप में इस शर्त का अनुपालन करते हुए कार्य कर सकेगा कि उसका इस बात के लिए मूल्यांकन कर लिया गया है कि वह महानिदेशक से अनुमोदित किसी परीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के योग्य है।

(घ) उस उड़ान अनुदेशक रेटिंग (विमान) धारक को जिसके पास लाइट स्पोर्ट वायुयान पर समादेशक पायलट के रूप में 15 घंटे के उड़ान काल का कुल अनुभव है, वह लाइट स्पोर्ट वायुयान पर अनुदेशात्मक प्रशिक्षण प्रदान कर सकेगा।”

[फा. सं. ए.वी.11012/2/2014-ए]

उपमा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

टिप्पण :- मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 को अधिसूचना स. वी – 26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किये गये और अंतिम संशोधन तारीख 23 मई, 2017 को भारत के राजपत्र, असाधारण भाग- II, खंड – 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित तारीख 18 मई, 2017 की सा.का.नि 490(अ) द्वारा किये गये।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd June, 2017

G.S.R. 721(E).—Whereas the draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, was published, as required by section 14 of the Aircraft Act, 1934 (XXII of 1934), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 168(E), dated the 20th February, 2017, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the Gazette in which the said notification was published were made available to the public on the 25th February, 2017;

And whereas objections or suggestions received in respect of the draft rules within the period specified have been taken into consideration;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely: —

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Sixth Amendment) Rules, 2017.
(2) They shall come into force on the date of this notification in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, —
(A) in rule 3, —
(i) after clause (1G), the following clauses shall be inserted, namely:-

‘(1GA) “Airworthy” means the status of an aircraft, engine, propeller or part when it conforms to its approved design and is in a condition of safe operation in accordance with norms specified by the Director-General;

(1GB) “Airworthiness Review Certificate” means a certificate issued under these rules to confirm the continued validity of a Certificate of Airworthiness;’;

- (ii) the clause (10A) shall be renumbered as (10B) and before clause (10B) as so re-numbered, the following clause shall be inserted, namely:-

‘(10A) “Approved” means accepted by the Director-General as suitable for a particular purpose;’;

- (iii) the clause (10AA) shall be renumbered as (10C);

- (iv) for clause (11B), the following clause shall be substituted, namely:-

‘(11B) “Certificate of Airworthiness” means an aircraft specific document issued by the Director-General to signify that it conforms to its applicable type design and is in a condition for safe operation in accordance with the norms as specified by the Director-General;’;

- (v) after clause (33A), the following clause shall be inserted, namely:-

‘(33AA) “Light Sport Aircraft” means a fixed wing aircraft with maximum certificated take off mass exceeding 450 Kgs. but not exceeding 600 Kgs.(650 Kgs. in case of sea planes) and stalling speed not exceeding 45 knots;’;

- (vi) clause (48A) shall be renumbered as clause (48AA) and before clause (48AA) as so re-numbered, the following clause shall be inserted, namely: –

‘(48A) “Restricted Type Certificate” means a document issued, validated or accepted by the Director-General signifying that the design of a type of aircraft or engine or propeller does not fully meet the applicable type design standards specified by the Director-General;’;

- (vii) after clause (51A), the following clauses shall be inserted, namely: –

‘(51B) “Special Certificate of Airworthiness” means a document issued by the Director-General to an aircraft which has a restricted type certificate or complies with airworthiness specifications as specified by the Director-General for ensuring adequate safety;

(51C) “Special Flight Permit” means a document issued by the Director-General to an aircraft which does not meet the conditions of airworthiness as defined in clause (1GA) but is in a condition for safe operation subject to limitations as may be specified therein;’;

- (viii) for clause (57A), the following clause shall be substituted, namely: –

‘(57A) “Type Certificate” means a document issued, validated or accepted by the Director-General to signify that the design of a type of aircraft or engine or propeller, complies with the applicable type design standard specified by the Director-General;’;

- (B) for rule 15, the following rule shall be substituted, namely:-

“15. Conditions to be complied with by an aircraft in flight – No aircraft shall be flown unless the following conditions are complied with, namely:-

- (i) the aircraft possesses a valid certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness issued by the Director-General;

(ii) the aircraft shall be certified as airworthy and shall be maintained in accordance with the provisions of Part VI or in the case of an aircraft not registered in India, in accordance with the regulations of the State in which the aircraft is registered;

(iii) all the terms or conditions on which the certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness was granted shall be duly complied with;

(iv) the aircraft shall carry on board its certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness and any other certificate prescribed by Part VI, or by the regulations of the State in which the aircraft is registered, which it is required to carry on board:

Provided that an aircraft not in compliance with the aforesaid conditions may be flown under a special flight permit issued by the Director-General under rule 55A subject to such conditions as may be specified in the special flight permit;

Note:— For the purpose of this rule, foreign registered aircraft falling under sub-rule (3) of rule 1 shall be deemed as aircraft registered in India and Indian registered aircraft falling under sub-rule (4) of rule 1 shall be deemed as aircraft not registered in India.”;

(C) in rule 19, sub-rule (3A) shall be omitted;

(D) in rule 38, in sub-rule (1) —

(i) for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) Student Pilot’s Licence (for aeroplanes, helicopters, gliders, balloons, microlight aircraft and light sport aircraft)”;

(ii) for clause (h), the following clause shall be substituted, namely:—

“(h) Pilot’s Licence (for gliders, balloons, microlight aircraft and light sport aircraft)”;

(E) in rule 39C, in sub-rule (1), — for items (iii) and (iv), the following shall be substituted, namely:—

“(iii) Student Pilot’s Licence (aeroplanes or helicopters or microlight aircraft or light sport aircraft or gliders or balloons), Student Flight Navigator’s Licence and Student Flight Engineer’s Licence.	Twenty-four months	Five years;
---	--------------------	-------------

“(iv) Private Pilot’s Licence (aeroplanes or helicopters), Pilot’s Licence (microlight aircraft or light sport aircraft or gliders or balloons), Flight Radio Telephone Operator’s Licence (Restricted) and Flight Engineer’s Licence.	Twenty-four months	Ten years”;
--	--------------------	-------------

(F) for rule 49, the following rule shall be substituted, namely:—

“49. Issue of Type Certificate or Restricted Type Certificate for an aircraft or engine or propeller designed or manufactured in India— (1) The Director-General may direct by general or special order that there shall be a Type Certificate in respect of an aircraft designed or manufactured in India, as a pre-requisite to the issue or continued validity of a certificate of airworthiness.

(2) The Director-General may also direct by general or special order that there shall be a Type Certificate in respect of any engine or propeller designed or manufactured in India.

(3) The Director-General may issue a Type Certificate when, —

(a) an applicant furnishes such documents or other evidence relating to the suitability of the aeronautical product for aviation purposes, as may be specified, inclusive of a flight test, if necessary, as the Director-General may require. The

applicant shall provide all necessary facilities for such inspection and tests as may be stipulated; and

(b) the Director-General is satisfied as to its suitability for aviation purposes.

(4) The Director-General may issue a Restricted Type Certificate for an aeronautical product imposing necessary limitations on its operations if he is satisfied that the design of an aircraft or engine or propeller, does not fully comply with the applicable design standard specified by the Director-General but is in a condition for safe operation.”;

(G) for rules 49A, 49B, 49C, 49D, 49E and 49F the following shall be substituted, namely:—

“49A. Issue of Type Certificate or Restricted Type Certificate to an aircraft imported in India.— (1) The Director-General may direct by general or special order that there shall be a type certificate or restricted type certificate in respect of any aircraft imported in India.

(2) The Director-General may issue a type certificate or restricted type certificate in respect of any aircraft imported in India.;

49B. Validation of Type Certificate or Restricted Type Certificate for an aeronautical product imported in India.—

(1) The Director-General may validate a type certificate or a restricted type certificate in respect of any aeronautical product that may be imported when, —

(a) the State aviation authority of the country in which it is designed has issued a type certificate or a restricted type certificate or a similar document in respect of that aeronautical product, as the case may be;

(b) it meets the airworthiness requirements as specified by the Director-General; and

(c) the applicant furnishes such documents and technical data regarding the suitability of the product for aviation purposes as may be specified and as the Director-General may require.

(2) The Director-General may, by order in writing and subject to such conditions as may be stated in that order, exempt any aeronautical product from the provisions of this rule.;

49C. Type Certificate or Restricted Type Certificate- aeronautical product categories.— The type certificate or restricted type certificate of an aeronautical product when issued or validated may be grouped as an aeronautical product in one or more categories as may be specified. The operation of the aircraft shall be restricted to those categories.;

49D. Cancellation, suspension of or endorsement on Type Certificate or Restricted Type Certificate.— If at any time the Director-General is satisfied that there is a reasonable doubt to indicate that the safety of the aeronautical product is imperilled because of a defect, he may cancel, suspend or endorse the type certificate or restricted type certificate issued or validated for the aeronautical product having defect, or may require the incorporation of any modification as a condition for the type certificate or restricted type certificate remaining in force, as the case may be.;

49E. Recognition of Type Certificate or Restricted Type Certificate of an aeronautical product issued by a Contracting State.— The Director-General may accept the type certificate or restricted type certificate in respect of an aeronautical product issued by a Contracting State whose airworthiness requirements shall be in accordance with these rules, if—

- (a) the State aviation authority of the State in which it is designed has issued a type certificate or restricted type certificate in respect of that aeronautical product;
- (b) it meets the airworthiness requirements specified by the Director-General; and
- (c) the applicant furnishes documents and technical data as may be required to assess the suitability or safety of the aeronautical product.;

‘49F. Issue of Supplemental Type Certificate in respect of an aeronautical product.— The Director-General may issue a supplemental type certificate in respect of any aeronautical product for which a type certificate or a restricted type certificate has been issued or validated or accepted as provided in rules 49A, 49B and 49E, and which has undergone a structural modification or installation of new item of equipment on account of the following reasons, namely:-

- (a) the aeronautical product in-service has developed deficiencies that may affect the safety or performance of the product;
- (b) there is a genuine need of the operator to change the configuration of the aeronautical product; and
- (c) there is a need to change or install new item of equipment for the purpose of enhancing safety or to bring in more user comfort.”;

(H) in rule 49G, the words, “registered in India” shall be omitted;

(I) after rule 49H, the following rule shall be inserted, namely:—

“49-I. Acceptance of design for an aircraft— Notwithstanding anything contained in rules 49A to 49G, the Director-General may accept the design of an aircraft after evaluation against minimum standards laid down under these rules and on being satisfied that it is in a condition for safe operation.”;

(J) for rule 50, the following rule shall be substituted, namely:—

“50. Issue of Certificate of airworthiness or Special Certificate of Airworthiness and Airworthiness Review Certificate.— (1) The owner or operator of an aircraft may apply to the Director-General for the issue of a certificate of airworthiness or a special certificate of airworthiness in respect of the aircraft or for the validation of a certificate of airworthiness issued elsewhere in respect of the aircraft.

(2) The Director-General may issue a certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness in respect of an aircraft when—

- (a) the applicant furnishes such documents or other evidence relating to the airworthiness of the aircraft as may be specified by the Director-General; and
- (b) the Director-General is satisfied that it is airworthy or in a condition for safe operation:

Provided that the Director-General may impose such conditions on the special certificate of airworthiness issued as may be necessary for safe operation of the aircraft.

(3) The Director-General may validate a certificate of airworthiness in respect of any aircraft that may be imported if —

- (a) the airworthiness authority of the country in which the aircraft is manufactured, has issued a certificate of airworthiness or such equivalent document;
- (b) the airworthiness requirements as specified by the Director-General are complied with; and
- (c) the applicant furnishes necessary documents and technical data relating to the aircraft as may be specified and as the Director-General may require.

(4) The certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness shall be issued or rendered valid for one or more of the categories as specified by the Director-General. The operation of the aircraft shall be restricted in those categories as specified in the certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness subject to the conditions stated therein.

(5) A certificate of airworthiness issued under this rule shall be invalid unless the Director-General or an organisation approved under these rules, carries out a review of compliance with applicable airworthiness standards and issues an airworthiness review certificate valid for such periods as may be specified therein which may be extended by the Director-General or an organisation approved under these rules, in accordance with such procedures as may be specified by the Director-General.

(6) A special certificate of airworthiness shall be valid for such periods as may be specified in the certificate and may be renewed from time to time by the Director-General.

(7) The aircraft shall be inspected and tested by the Director-General or by a person authorised in his behalf, as specified.

(8) The owner or operator of the aircraft shall provide all necessary facilities for the purpose of carrying out the inspection and tests as required under sub-rule (7) and bear all expenses as specified by the Director-General.”;

(K) in rule 50A, for the words “certificate of airworthiness” wherever they occur, the words “certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness” shall be substituted;

(L) in rule 55,—

(i) in the heading and in sub-rules (1), (2) and (3), for the words “certificate of airworthiness” wherever they occur, the words “certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness” shall be substituted;

(ii) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(4) Where the certificate of airworthiness or the special certificate of airworthiness of an aircraft is suspended or deemed to be suspended, the Director-General may, upon an application by the owner or operator, issue a special flight permit under rule 55A.”;

(iii) sub-rule (5) shall be omitted;

(M) after rule 55, the following rule shall be inserted, namely:—

“55A. Issue of Special Flight Permit— (1) The Director-General may issue a special flight permit when an aircraft is not fully in compliance with the airworthiness requirements but is in a condition for safe operation subject to such conditions as are specified in the special flight permit.

(2) The owner or operator of an aircraft may apply to the Director-General for the issue of a special flight permit in respect of the aircraft for any of the purposes as specified by the Director-General.

(3) The Director-General may issue a special flight permit in respect of an aircraft when, —

- (a) an applicant furnishes such documents as may be specified by the Director-General; and
- (b) the Director-General is satisfied that the aircraft is in a condition for safe operation.”;

(N) in rule 57, sub-rule (1), for the words, “may be specified” the words, “may be specified by the Director-General” shall be substituted;

(O) In rule 62, —

(1) in the Table in sub-rule (1), for item A, the following shall be substituted, namely:—

“(A) Issue of type certificate or restricted type certificate under rule 49 and 49A:

(i)	for an aircraft having maximum design take-off weight— (a) of 1,000 kilograms or less (b) exceeding 1,000 kilograms, for every 1000 kilograms or part thereof	Rs.40,000 Rs.20,000
(ii)	for engines— (a) Reciprocating (b) Turbine	Rs.4,00,000 Rs.20,00,000
(iii)	for helicopters having maximum design take-off weight— (a) of 1,000 kilograms or less (b) exceeding 1,000 kilograms, for every 1000 kilograms or part thereof	Rs 48,000 Rs 24,000
(iv)	for each propeller, when processed individually	Rs.4,00,000”;

(2) after item (C), the following items shall be inserted, namely:—

“(CA) Type approval of an aircraft component, equipment, instrument and other similar part under rule 49H:

(i)	for each aircraft component, equipment, instrument and other similar part, when processed individually	Rs.40,000
-----	--	-----------

(CB) Acceptance of Design under rule 49-I:

The fee for acceptance of design shall be fifty percent of the fee payable under item (A).”;

(3) for item (D), the following shall be substituted, namely:-

“(D) Issue or validation of certificate of airworthiness, special certificate of airworthiness, and issue or extension of airworthiness review certificate under rule 50:

(i)	Issue of Certificate of Airworthiness/ Special Certificate of Airworthiness for an aircraft having maximum permissible take-off weight—	
	(a) of 1,000 kilograms or less	Rs.20,000
	(b)exceeding 1 ,000 kilograms, for every 1,000 kilograms or part thereof	Rs.1,000
(ii)	Validation of Certificate of Airworthiness/ Special Certificate of Airworthiness	Fifty percent of the fees payable under sub-item(i).
(iii)	Issue or extension of Airworthiness Review Certificate or renewal of Special Certificate of Airworthiness	Fifty percent of the fees payable under sub-item (i)
(iv)	Issue of duplicate certificate of airworthiness or Airworthiness Review Certificate or special certificate of airworthiness	Ten percent of the fee payable under sub-item (i), as applicable.
(v)	Change in Category/ sub-Category in certificate of airworthiness or special certificate of airworthiness	Twenty five percent of the fee payable under sub-item (i), as applicable.
(vi)	Issue of Special Flight Permit	Ten percent of the fee payable under sub-item (i), as applicable.”;

(P) in Schedule II,—

(1) in Section A,—

(a) in paragraph 1, sub-para (a), for clauses (i) and (iv), the following clauses shall be respectively substituted, namely:—

“(i) Student Pilot’s Licence (Aeroplanes/Helicopters/Gliders/Balloons/Microlight aircraft and light sport aircraft).;

(iv) Pilot’s Licence (Gliders/Balloons/Microlight aircraft/ Light sport aircraft).”;

(b) in paragraph 2,—

(i) after sub-para (b), the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that the flying experience on an aircraft having a valid special certificate of airworthiness issued by the Director-General, may also be counted if so provided in the relevant section of this Schedule and subject to conditions specified therein.”;

(ii) after clause (e), the following clause shall be inserted, namely: —

“(f) A holder of a Private pilot’s licence (Aeroplanes) who has availed of any credit for flying done on a microlight/ glider/ light sport aircraft as per the provisions of Section E shall be entitled to get full credit for the same for the issue of next higher pilot licence.”;

(iii) in paragraph 8,—

(a) in clause (f) after the words “Certificate of Airworthiness”, the words “or Special Certificate of Airworthiness” shall be inserted; and

(b) after clause (f) the following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that an aircraft type having a special certificate of airworthiness shall be entered in the aircraft rating of a pilot’s licence relating to that aircraft.”;

(iv) after paragraph 8, the following paragraph shall be inserted, namely:—

“8A. **Enrolment for training.** — To enrol a person for undergoing the pilot training, the training organisation shall obtain a report of verification of character and antecedents of the trainee from the concerned government agency. Such verification report shall be submitted to the Director-General at the time of submission of the application for issue of the licence.”;

(2) in Section B,—

(a) in the heading and in paragraph 1, for the words “Aeroplanes/Helicopters/Gliders”, the words “Aeroplanes /Helicopters/Gliders/light sport aircraft” shall be substituted;

(b) in paragraph 5, for the words “aeroplane, helicopter or glider”, the words “aeroplane, helicopter, glider or light sport aircraft” shall be substituted;

(3) in Section E, paragraph 1, clause (e),—

(a) for sub-clauses (i), (iii), (iv) and (v), the following sub-clauses shall be respectively substituted, namely:—

“(i) not less than ten hours of solo flight time;

(iii) not less than five hours of solo flight time completed within a period of twelve months immediately preceding the date of application for the issue of licence;

(iv) fifty percent of the total flying experience on microlight aircraft or on a glider acquired during the preceding twenty four months from the date of application subject to a maximum of ten hours may be counted towards the total experience required for the issue of the licence;

(v) solo flight time completed on light sport aircraft within the preceding twenty four months from the date of application, subject to maximum of twenty hours, may be counted towards the total experience required for the issue of the licence.”;

(b) after clause (e), following proviso shall be inserted, namely:—

“Provided that not more than twenty hours of credit shall be given to an applicant under sub-clauses (iv) and (v) put together.”;

(4) after Section- I, the following section shall be inserted, namely:—

“Section— IA Pilot’s Licence (Light Sport Aircraft)

1. Requirements for the Issue of Licence— An applicant for a Pilot’s Licence (Light Sport aircraft) shall satisfy the following requirements:—

(a) Age— He shall not be less than seventeen years of age on the date of application;

(b) Educational Qualification— He shall have passed Class Ten or equivalent Examination from a Recognised Board;

(c) Medical Fitness— He shall produce on a prescribed proforma a certificate of physical fitness from an approved medical practitioner after undergoing a medical examination, during which he shall have established his medical fitness on the basis of compliance with the requirements as notified by the Director-General under rule 39B;

(d) Knowledge— He shall pass a written examination in Air Regulations, Air Navigation, Aviation Meteorology and Aircraft and Engines as per the syllabus prescribed by the Director-General:

Provided that an applicant in possession of a valid Private Pilot’s Licence (Aeroplanes/helicopters) or a higher category of Pilot’s Licence shall be exempted from

passing all the aforesaid examinations under clause (d) after furnishing a Certificate by the Flight Instructor or Examiner in the pilot's Log Book to the effect that the pilot has been thoroughly familiarised with the flight controls, speed profiles, systems, engines and limitations of the light sport aircraft.

Provided further that an applicant in possession of a valid Pilot's Licence (Gliders) shall be exempted from examination in Air Regulations and Aviation Meteorology specified in clause (d).

(e) Experience— He shall produce evidence of having satisfactorily completed not less than forty hours of flight time on light sport aircraft, which shall include —

(i) not less than twenty hours of flight training with, —

(a) two hours of dual cross country flight training;

(b) one solo cross-country flight of total distance of not less than fifty nautical miles with a full stop landing at a minimum of two different aerodromes and with one segment of the flight consisting of straight line distance of at least twenty five nautical miles;

(ii) not less than ten hours of solo flight time with ten take-offs and landings completed within six months preceding the date of submission of application for issue of licence.

Provided that the holder of a current Private Pilot's Licence (Aeroplanes) or a higher category of Licence (Aeroplanes) shall be exempted from the experience requirements. Such pilots shall, however, be required to carry out familiarisation flights of minimum one hour followed by not less than three solo take-offs and landings within six months preceding the date of application. Such flying shall be carried out under the supervision of an approved Examiner or a Flight Instructor approved by the Director-General and endorsed in the logbook of the licence holder by the approved Examiner/ Instructor.

(f) Flying Training— He shall have completed the flying training in accordance with the syllabus prescribed by the Director-General.

(g) Skill— He shall have demonstrated his competency to perform the procedures and manoeuvres prescribed in the syllabus to the satisfaction of an Examiner, on the type of light sport aircraft to which the application for licence relates, within a period of six months immediately preceding the date of application.

2. Validity — The licence shall be valid for a period as specified in rule 39C.

3. Renewal — The licence may be renewed on receipt of satisfactory evidence of the applicant —

(a) having undergone a medical examination in accordance with para 1(c); and

(b) having satisfactorily completed not less than five hours of flight time as Pilot-in-command of a light sport aircraft within a period of twelve months immediately preceding the date of application for renewal, or having satisfactorily completed the flight test as laid down in paragraph 1(g) within a period of six months immediately preceding the date of application.

4. Aircraft Rating — The licence shall indicate the class and type of light sport aircraft the holder is entitled to fly. An open rating for all types of light sport aircraft may also be granted if he has satisfactorily completed not less than one hundred hours of flight time as Pilot-in-command of an aeroplane or a light sport aircraft.

Provided that the privilege of the open rating shall be exercised only after having undergone familiarisation with the flight controls, speed profiles, systems, engines and limitations of the aircraft with a qualified light sport pilot having not less than one hundred fifty hours of Pilot-in-command experience and a certificate to that effect shall be recorded by the qualified light sport pilot of that aircraft in the pilot's log book.

5. Privileges— (a) Subject to provisions of rules 39B, 39C and 42, the privileges of the holder of a Pilot's Licence (Light Sport Aircraft) shall be to act as Pilot-in-Command of a light sport aircraft, which is entered in the Aircraft Rating of his licence, under the visual flight rules.

(b) A Light Sport Aircraft Pilot shall not:

- (i) carry a passenger or property for compensation or hire;
- (ii) fly at night;
- (iii) fly in Class D and E airspace (controlled airspace) unless he holds a valid Flight Radio Telephony Operator's Licence (Restricted) and has been trained by an approved instructor with a log book endorsement for operation at any aerodrome with an operating control tower;
- (iv) fly at an altitude of more than 10,000 feet mean sea level or 2000 feet above ground level, whichever is higher;
- (v) fly when flight or surface visibility is less than 5000 meter;
- (vi) fly without visual reference to surface;
- (vii) fly contrary to any operating limitation placed on the special certificate of airworthiness of the aircraft being flown; and
- (viii) fly contrary to any limit on pilot licence or medical or any other limit.

(c) The holder of a Pilot Licence (Light Sport aircraft) having a total experience of 100 hours of flight time as pilot in command on a light-sport aircraft may impart flying instructions on a light sport aircraft subject to the condition that he has been assessed fit for imparting training by an examiner approved by the Director-General.

(d) The holder of a Flight Instructor's Rating (Aeroplanes) having a total experience of 15 hours of flight time as pilot in command on a light sport aircraft may impart instructional training on a light sport aircraft.”.

[F. No. AV.- 11012/2/2014-A]

UPMA SRIVASTAVA, Jt. Secy.

Note.— The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended *vide* number G.S.R. 490(E), dated the 18th May, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 23rd May, 2017.